17 फरवरी 2014

भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

जीवनावश्यक वस्तुओं के मुंबई में बढ़ते दाम

(संकलक : श्री.राम नाईक, श्री.गिरीधर साळुंके)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	पहले कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) अप्रैल 2009	दूसरे कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) 17 फरवरी 2014	2004 की तुलना में वृध्दि (प्रतिशत) %
गेंहू	9	20	28	211%
चावल	10	22	30	200%
शक्कर	14	23	34	143%
चाय पावडर	80	190	300	275%
तेल	40(प्रति लिटर)	70(प्रति लिटर)	88(प्रति लिटर)	120%
डालडा	40	60	100	150%
तूर दाल	30	100	76	153%
मूंग दाल	24	54	108	350%
मसूर दाल	22	60	78	255%
चना दाल	25	36	52	108%
गुड़	14	32	45	221%
बेसन	20	48	60	200%
आलू	8	14	20	150%
प्याज	6	16	20	233%
टमाटर	9	16	20	122%
दूध	14 (प्रति लिटर)	28(प्रति लिटर)	58(प्रति लिटर)	314%
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	25 (प्रति लिटर)	70(प्रति लिटर)	289%
रसोई गैस	244 (प्रति सिलेंडर)	312(प्रतिसिलेंडर)	453.00 (प्रतिसिलेंडर) *1167.50 (प्रतिसिलेंडर) **विनाअनुदान**	86% 378%
पेट्रौल	33.15 (प्रति लिटर)	44.60(प्रति लिटर)	81.45(प्रति लिटर)	146%
डिजल	22.50 (प्रति लिटर)	34.50(प्रति लिटर)	63.32 (प्रति लिटर)	181%
सीएनजी	19.71(प्रति किलो)	24.65(प्रति किलो)	38.95(प्रति किलो)	98%
डॉलर $1	**रु. 45.10**	रु. 50.05	**रु. 61.82**	37**%**

विशेष :

1. 2013-2014 का 'सकल घरेलु उत्पाद' (जीडीपी) 4.9 प्रतिशत रहेगा ऐसी घोषणा वित्त मंत्री श्री. पी. चिदंबरम्द्वारा 17 फरवरी 2014 को अंतरिम बजट प्रस्तुत करते समय की गयी. यह घोषणा वित्तव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं. खुदरा मुद्रास्फीति की दर नवंबर 2013 में अभूतपूर्व तेजी से याने 11.24 प्रतिशत बढ़ी थी, वह अब 6.20 हुई हैं ऐसा भी वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा है. किंतु जीवनावश्यक वस्तुओं के ऊपर लिखित दाम यदि हम देखते है तो महंगाई पर रोक लगाने में सरकार की विफलता स्पष्ट होती है.

2.इसके अतिरिक्त डालर रुपया का विनिमय दर 2004 में रु. 45.10 था, वह अब रु. 61.82 याने 37 प्रतिशत बढ़ा है. इसका मतलब है कि आयात में हमें 37 प्रतिशत अधिक कीमत देनी पड़ रही है. इस समय हमारे निर्यात से आयात अधिक होने के कारण रुपये के अवमूल्यन से भारी नुकसान हो रहा है.

3. कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) का आयात 70 प्रतिशत से बढ कर 80 प्रतिशत हुआ है, साथ ही साथ आंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल का मूल्य भी बढ़ा है. परिणामत: महंगाई वृद्धि का दुष्ट चक्र ज्यादा तेज हुआ है. दिसंबर 2013 में चार राज्यों के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की हुई करारी हार महंगाई के कारण हुइ है इस बात को प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 3 जनवरी 2014 को पत्रकार संमेलन में स्वीकार किया था. वित्त मंत्री ने अपने भाषण में आर्थिक प्रगति के संबंध में अपनी पीठ थपथपाई है, किंतु वह इतनी खोखली है, यह स्पष्ट हो रहा है.